Renouncing the manufacturing of nuclear weapons by India and Pakistan

3302. SHRI DHULESHWAR MEENA:

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH;

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recent statement of Pakistan Ambassador to India about the Possibility of making a binding declaration for renouncing the manufacture or acquisition of nuclear weapons by the two countries; and

(b) if so, what are the details in this regard and what is Government's reaction in the matter?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA FAO): (a) Yes, Sir.

(b) Speaking at a seminar in New Delhi on November 23, 1988, the Pakistan Ambassador reportedly said that India and Pakistan should examine the possibility of making a binding declaration for renouncing the manufacture or acquisition of nuclear weapons. He also reiterated his Government's proposal for declaring South Asia as a nuclear weapon-free zone.

Government are of the view that there can be no bilateral or regional solution to the dangers of nuclear proliferation. This is a global issue which can only be tackled globally. Moreover, Pakistan's proposal^ go ill with that country's single-minded drive for a nuclear weapons capability.

पिछड़े क्षेत्रों में नवोदय विद्यालय

3303. **श्री अजीत जोगी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री 30 नवम्बर, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 2332 के दिये गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश, बिहार और उड़ीसा के आदिवासी और हरिजन बहुल क्षेत्रों में अब तक खोले गए नवोदय विद्यालयों की संख्या कितनी है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साही): आदिवासी बहुल वाले क्षेत्रों तथा उन क्षेत्रों में जहां अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 20% या अधिक है, में अब तक खोले गए नवोदय विद्यालयों की संख्या निम्नलिखित है:-

(1) मध्य प्रदेश .	25
(2) बिहार .	14
(3) उड़ीसा .	10

शिक्षा नीति में परिवर्तन करने संबंधी प्रस्ताव

3304. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 3 नवम्बर, 1988 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "एजुकेशन सिस्टम ए फेल्योर–राजीव" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति पर गम्भीर आरोप लगाये गये हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और इन आरोपों के उत्तर में सरकार का क्या भावी समयबद्ध कार्यक्रम हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल. पी. साही): (क) जी हां

(ख) और (ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) का प्रस्तावना अध्याय अपने आप में यह दर्शाता है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली विविध कमियों और शिक्षा को प्राप्त करने की पहुंच, कोटि, मात्रा उपयोगिता और वित्तीय परिव्यय से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त है। नीति में अन्य बातों के साथ साथ यह निर्धारित किया गया है कि मनुष्य स्वयं एक बेश-कीमती संपदा और अमूल्य राष्ट्रीय संसाधन है जिसकी सावधानी और गतिशीलता के साथ साथ समर्पण की भावना से परवरिश, पोषण और विकसित करने की आवश्यकता है।

नयी शिक्षा नीति के अनुसार, विज्ञान शिक्षा को सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चे में सुपरिभाषित योग्यताओं और जिज्ञासा की भावना, रचनात्मकता, उद्देश्यात्मकता, प्रश्न पूछने की हिम्मत और सौंदर्य उपासक संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को विकसित किया जाए।

नयी शिक्षा की नीति को कार्यान्वित करने के लिए एक ब्योरेवार कार्रवाई योजना तैयार की गयी थी और संसद द्वारा अगस्त, 1986 में इसका अनुमोदन किया गया था। इस कार्रवाई योजना में शिक्षा की विषयवस्तु और प्रक्रिया में उपयुक्त परिवतनों, गणित शिक्षा और विज्ञान शिक्षा में सुधार सहित विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की पुन: संरचना और पुनर्गठन के सभी पहलुओं को शामिल किया जा रहा है। शिक्षा के लिए नयी अव-स्थापना की व्यवस्था करने और रचनात्-मकता को प्रोत्साहित करने तथा प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई योजना के अंतर्गत अनेक उपाय आरंभ किए गए।

Central design centre, Lucknow

3305. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: SHRI RAM JETHMALANI;

Will the Minister of HUMAN RE SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Central Design Centre, Lucknow was established by Government in 1957 t_0 make recommendations from time to time, for the promotion of Indian handicrafts and for the development and preservation of traditional designs;

(b) what recommendations have been made by the institution;

(c) what is the total amount of money spent on this institution year-wise, for the last three years; and

(d) what is the total number of em ployees i_n this institution at Pre sent and the details of their posts, qualifications a^{n}d salaries?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCA-TION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) to (d) The relevant information is being collected by the concerned Department and wilj be laid on the Table of the House.

Promotion for the post of joint com-missioner K.V.S.

3306. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM; Wii; the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether any Departmental promotion Committee met in July|August, 1988 to select a promottee for the post cf Joint Commissioner (Academic) in Kendriya Vidyalaya Sangalhan;

(b) if so, whether the said DPC recommended and cleared some names for the same;

(c) if so, whether the departmental officer recommended by the DPC has since been offered an appointment to the said Post; and